ECONOMICS TIMES N.D 11/5/18

5 साल में 1600% तक तेजी

मल्टीबैगर क्वॉलिटी दिखा रहे 10 स्टॉक्स

[अमित मुद्गिल | नई दिल्ली]

प्रॉफिट मार्जिन का आंकड़ा किसी भी कंपनी की असल पिक्चर दिखा देता है। मार्केट के जानकार लोगों का कहना है कि मल्टीबैगर शेयरों की बुनियादी विशेषताओं में अच्छे मार्जिन का पहलू शामिल रहता है। फिलिप्स कार्बन, आयशर मोटर्स, फिनोलेक्स केबल्स और बालकृष्णा इंडस्ट्रीज में कम से कम दो बातें कॉमन हैं। एक तो यह कि इनके मल्टीबैगर होने की बात सबको पता है। दूसरी बात यह है कि इन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस में लगातार सुधार किया है। बीएसई 500 और बीएसई मिड एंड स्मॉल कैप सेलेक्ट इंडेक्स की कम से कम 10 कंपनियों ने पीबीआईडीटी यानी ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन में पिछले चार वित्त वर्षों के दौरान इजाफा दर्ज किया है।

दलाल स्ट्रीट ने भी इन शेयरों को हाथोंहाथ लिया है। देश में कार्बन ब्लैक बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी फिलिप्स कार्बन का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन फाइनेंशियल ईयर 2014 में 2.05 पर्सेंट था। यह आंकड़ा पिछले चार वर्षों में लगातार बढ़कर 15.92 पर्सेंट पर पहुंच गया। ओपीएम एक फाइनेंशियल रेशियो है। यह किसी कंपनी की ऑपरेशनल एफिशिएंसी का पैमाना है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज का कहना है क्रि इस शेयर में चढ़ने की काफी गुंजाइश है क्योंकि इसके प्राडक्ट्स की डिमांड दमदार है, वित्तीय स्थिति अच्छी है और मैनेजमेंट बुद्धिमानी दिखा रहा है। ब्रोकरेज ने इस शेयर के 35 रुपये पर ट्रेड करने के जमाने से इसके लिए बाय रेटिंग बनाए रखी है। गुरुवार को यह 239.75 रुपये पर बंद हुआ। आईसीआईसीआई ने एक नोट में कहा, 'पीसीबीएल ने खुद पर लगा कमोडिटी टैग हटा लिया है। इसने दमदार मैन्युफैक्चरिंग सेटअप बनाया है। यह टायर, पेंट, प्लास्टिक और इंक इंडस्टीज के लिए अहम मैटीरियल बना रही है।'

रबड़ केमिकल्स बिजनेस से जुड़ी एनओसीआईएल के शेयर पिछले पांच वर्षों में 1272 पर्सेंट चढ़े हैं। आशीष कचोलिया और डॉली खन्ना जैसे धुरंधर निवेशकों ने इसमें पैसा लगाया है। इस कंपनी का ऑपरेटिंग एबिट्डा फाइनेंशियल ईयर 2015 से 2018 के बीच 32.9 पर्सेंट की सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ा, वहीं प्रॉफिट में 43.8 पर्सेंट का इजाफा हुआ। पिछले पांच वर्षों में इस कंपनी का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन बढ़ा। 2014 में यह 11.99 पर्सेंट था, जो फाइनेंशियल ईयर 2018 में 28.93 पर्सेंट हो गया। कुल कर्ज फाइनेंशियल ईयर 2015 में 147 करोड़ रुपये पर था, जो फाइनेंशियल ईयर 2018 में 5 करोड पर आ गया।

केबल मैन्युफैक्चरर फिनोलेक्स केबल्स का मार्जिन कॉपर के दाम में बढ़ोतरी के बाद बढ़ता रहा। यह शेयर पिछले पांच वर्षों में 1200 पर्सेंट चढ़ा है। कंपनी प्रॉडक्ट्स बेचते वक्त कैश एडवांस लेने का तरीका अपनाती है। इस रणनीति ने फाइनेंशियल ईयर 2012 से 2017 के बीच 0.5 गुने से ज्यादा का एफसीएफ/ओसीएफ रेशियो बनाने में मदद की। इडलवाइज ने हाल में एक नोट में लिखा कि कंपनी के मैनेजमेंट के इसी रणनीति पर चलते रहने की उम्मीद है ताकि ज्यादा फ्री कैश (फाइनेंशियल ईयर 2017 में 1.5 अरब रुपये) जेनरेट हो सके।

बालकृष्णा इंडस्ट्रीज का ऑपरेटिंग प्रॉफिट मार्जिन फाइनेंशियल ईयर 2012 में 17.26 पर्सेंट था, जो 2017 में 36.59 पर्सेंट हो गया। एनालिस्ट्स को उम्मीद है कि 60000 टन क्षमता वाला कार्बन ब्लैक प्लांट फाइनेंशियल ईयर 2019 में चालू हो जाएगा। इस प्लांट को इसकी पूरी क्षमता से चलाने पर कंपनी को मार्जिन एक से डेढ़ पर्सेंट बढ़ाने में मदद मिल सकती है। कंपनी का फोकस रेडियलाइजेशन पर है। उसका कारोबार ऑफ रोड टायरों पर है। कंपनी पावर और लॉजिस्टिक्स कॉस्ट्स में बचत पर ध्यान दे रही है। मुंद्रा पोर्ट इसके प्लांट से महज 60 किमी. दूर है। इन बातों से इसका मार्जिन बढ़ने में मदद मिलनी चाहिए। आयशर मोटर्स, गैब्रिएल इंडिया और जेके टायर तीन अन्य कंपनियां हैं, जिन्होंने पिछले दो वर्षों में अपना मार्जिन लगातार बढ़ाया है। रॉयल एनफील्ड की बाइक्स के लिए दमदार डिमांड और मार्जिन में सुधार से पिछले पांच वर्षों के दौरान आयशर मोटर्स के शेयर में 880 पर्सेंट की तेजी आई है। गैब्रिएल इंडिया ने लागत घटाने के उपायों के जरिए मार्जिन बढ़ाया है। अच्छी वॉल्यूम ग्रोथ और प्रॉडक्ट मिक्स में सुधार से आने वाले वर्षों में कंपनी का मार्जिन और बढ़ना चाहिए। एनालिस्ट्स का कहना है कि जेके टायर का वॉल्यूम बढ़ सकता है, वहीं मैनपावर कॉस्ट घटने और इनपुट प्राइसेज में स्थिरता रहने से इसका प्रदर्शन सुधरना चाहिए।

BUSINESS LINE N.D 11/5/18

Apollo Tyres Q4 profit up 10%

OUR BUREAU

New Delhi, May 10

Apollo Tyres on Thursday has reported net profit of ₹ 250 crore for the fourth quarter ended March 31, up 10 per cent compared with ₹228 crore in the same period last year.

Net sales also grew 22 per cent year-on-year at ₹3,982 crore against ₹3,269 crore in the January-March quarter last year.

Both Indian and European operations, continued with their growth momentum and registered a revenue growth upwards of 20 per cent in the last quarter of the financial year, led by a strong performance in the commercial vehicle segment, especially truck radials, in India, and passenger vehicle category in Europe, the company said.

"Shortage of a key raw material, and the increasing cost of crude-based raw materials, did pose challenges for us," said Onkar S Kanwar, Chairman.

The raw material prices, as a basket, went up by more than 10 per cent in the past fiscal. This cost push is likely to continue putting pressure on our margins, he said.

For the full financial year, the company reported net sales of ₹14,674 crore, up 12 per cent YoY, and net profit was ₹724 crore.

BUSINESS LINE N.D 11/5/18

Rubber firms up on global cues

Kottayam, May 10

Spot rubber continued to rule firm on Thursday on rumours that the global indices will regain strength shortly. RSS-4 improved to ₹122 (121.50) a kg, according to traders and the Rubber Board. In futures, the May series improved to ₹122.65 (121.89), June to ₹126.84 (125.86), July to ₹129.24 (128.14) and August to ₹129.49 (129.42)on the National Multi Commodity Exchange (NMCE). RSS-3 (spot) firmed up to ₹118.71 (117.71) at Bangkok. May futures slid to ₹109.50 (109.60) on the Tokyo Commodity Exchange (TOCOM). Spot rubber rates (₹/kg): RSS-4: 122 (121.50); RSS-5: 119.50 (119); ISNR 20: 115.50 (115) and Latex (60% drc): 85.50 (85.50). OUR CORRESPONDENT

Apollo Tyres posts ₹3,982 cr sales

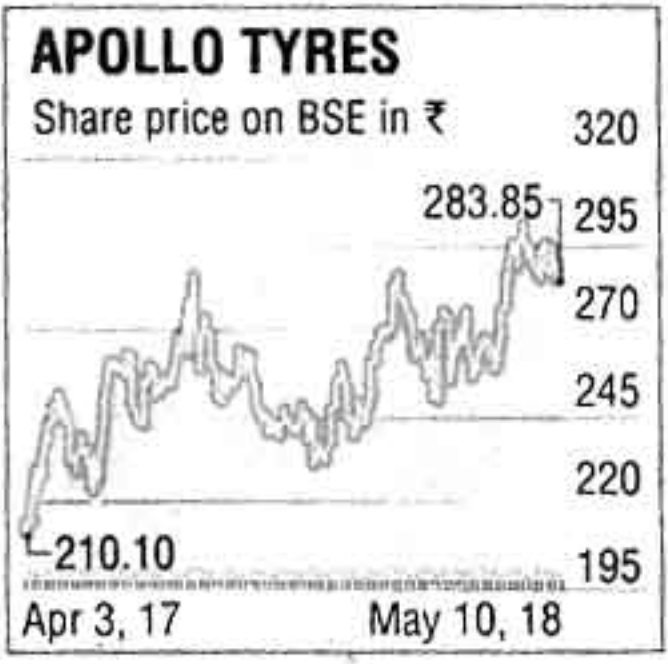

Apollo Tyres reported 9.58% increase in profit at Rs 250.11 crore for the fourth quarter ended March 2018. Sales were at Rs 3,982.43 crore, up from Rs 3,533.02 crore a year ago. Both Indian and European operations registered a revenue growth upwards of 20%, led by a strong performance in commercial vehicle segment.

ECONOMICS TIMES N.D 11/5/18

अपोलो का नेट प्रॉफिट 9.58% बढ़ा

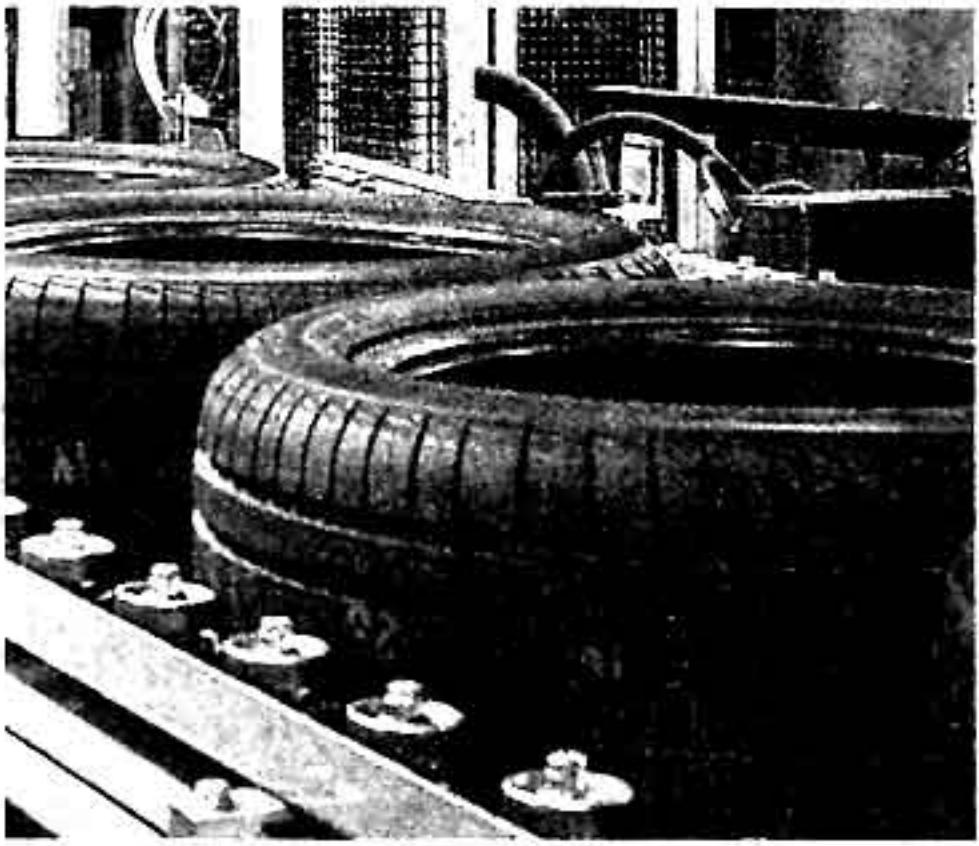

नई दिल्ली: अपोलो टायर्स का मार्च क्वॉर्टर में मुनाफा 9.58 पर्सेंट बढ़कर 250.11 करोड़ रुपये रहा। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 228.24 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इस तिमाही में कंपनी की बिक्री 3,982.43 करोड़ रुपये रही, जो साल भर पहले 3,533.02 करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2017-18 में कंपनी का मुनाफा 723.88 करोड़ रुपये रहा, जो साल भर पहले 1,098.99 करोड़ रुपये था। इसमें 34.13 पर्सेंट की गिरावट आई। वित्त वर्ष में बिक्री 14,928.95 करोड़ रुपये की रही, जो पिछले साल 14,052.89 करोड़ रुपये थी।

FINANCIAL EXPRESS N.D 11/5/18

Kerala rubber likely to be added to export cluster list

FE BUREAU
Thiruvananthapuram, May 10

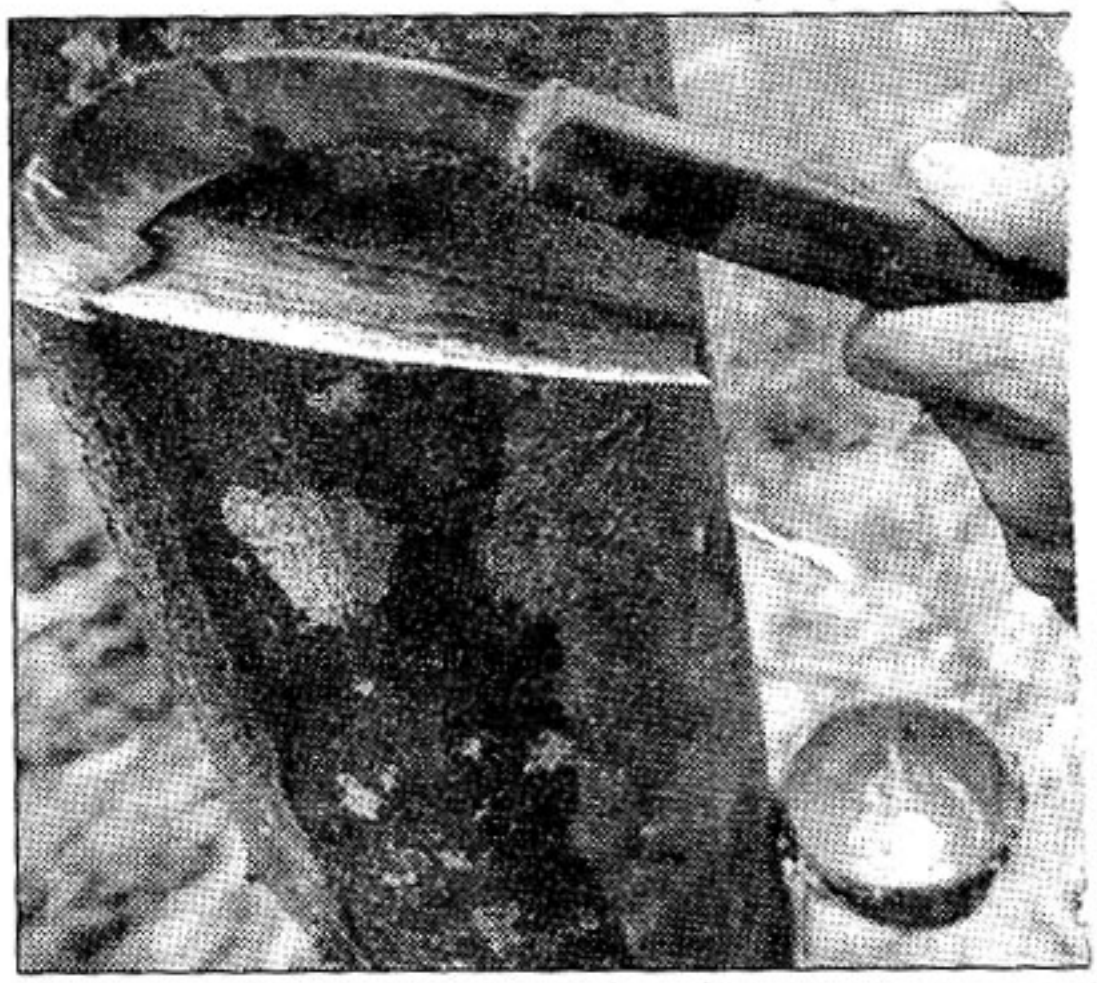

RUBBER FROM KERALA is likely to be added to the Centre's crop export cluster roster. Earlier, rubber from Kerala, which produces 85% of the country's supply, was excluded from the list of 50 districts identified for export crop clusters, under the draft national crop export policy.

Commerce secretary Rita Teotia has told Kerala officials, who pointed out the omission, that this decision will be reviewed. Rubber from Kerala is likely to be added to the export cluster, if the state government writes to ministry of commerce, seeking this review, she said.

Meanwhile, state cabinet, which met on Wednesday, has decided to write to Prime Minister Narendra Modi and commerce minister Suresh Prabhu seeking that four districts — Kottayam, Pathanamthitta, Ernakulam and Kannur — should be included in the export cluster for rubber.

When the Rubber Board of India had sought ₹220 crore as outlay for rubber, Niti Aayog provided only ₹132 crore. In the last two years, the funds for the Board has been tight-reined, with the result that subsidy for rubber farmers had to be stopped from 2015.

From Kerala, only pineapple from Vazhakkulam and ginger from Waynad had found place in the list of export crop clusters.

The draft crop export policy has proposed export clusters for 22 crops. The Kerala government has demanded that as a crop with international market, cashew export cluster should be considered in Kasargode. Clusters for pepper, tea and coconut will also be urged in Wayanad, Idukky and Kozhikode, respectively.

Looking at the production side, banana clusters in Thiruvananthapuram, Thrissur and Wayanad and turmeric and mango clusters in Wayanad have been proposed.